



प्रेस विज्ञप्ति
नई दिल्ली, 1 मई, 2024

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
मई 2024 के दौरान तापमान और वर्षा का मासिक आउटलुक
Monthly Outlook for the Temperature and Rainfall during May 2024

हाइलाइट

- देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है केवल पूर्वोत्तर भारत के अधिकतर भागों और उत्तर पश्चिम भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों तथा पूर्वोत्तर प्रायद्वीप भारत को छोड़कर जहां सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान होने की संभावना है।
- देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है केवल उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों, भारत-गांगेय मैदानी इलाकों, मध्य भारत और पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों को छोड़कर जहां सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे न्यूनतम तापमान होने की संभावना है।
- उष्णलहर दिनों की संख्या, दक्षिण राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाडा और गुजरात क्षेत्र में लगभग 5-8 दिनों के लिए और राजस्थान के शेष भागों, पूर्व मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ के कुछ भागों, आंतरिक ओडिशा, गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना तथा उत्तर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के एकाध इलाकों में लगभग 2-4 दिनों के लिए सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।
- मई 2024 में देश भर में औसत वर्षा सामान्य (एलपीए/LPA का 91-109%) होने की संभावना है। उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों, मध्य भारत के कुछ हिस्सों, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। देश के शेष भागों में सामान्य से नीचे वर्षा होने की संभावना है।

मई 2024 के दौरान तापमान और वर्षा का मासिक आउटलुक

1. पृष्ठभूमि

2016 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) गर्म और ठंडे दोनों ऋतुओं के लिए देश भर में तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ दृष्टिकोण और जून, 2021 से प्रत्येक महीने तापमान के लिए मासिक आउटलुक जारी कर रहा है। आईएमडी पूर्वानुमान मॉडल के कौशल में सुधार के लिए भी लगातार काम करता है। वर्तमान रणनीति नव विकसित मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल (एमएमई/MME) आधारित पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है। एमएमई दृष्टिकोण आईएमडी/एमओईएस मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) मॉडल सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु प्रागुक्ति और अनुसंधान केंद्रों से युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम/CGCM) का उपयोग करता है।

आईएमडी ने अब मई, 2024 के लिए मासिक तापमान और वर्षा आउटलुक जारी किया है। मई 2024 में तापमान का दृष्टिकोण खंड 2 में प्रस्तुत किया गया है, जबकि खंड 3 उसी महीने के लिए उष्ण लहर/हीटवेव दृष्टिकोण प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, मई 2024 के लिए मासिक वर्षा दृष्टिकोण खंड 4 में प्रदान किया गया है।

2. मई 2024 के लिए मासिक तापमान पूर्वानुमान

चित्र. 1ए और चित्र. 1बी क्रमशः मई 2024 में अधिकतम और न्यूनतम तापमान के लिए अनुमानित संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान होने की संभावना है केवल उत्तर पूर्व भारत के अधिकांश हिस्सों, उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों और मध्य भारत तथा उत्तरपूर्व प्रायद्वीप भारत के समीपवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर, जहां सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान होने की संभावना है (चित्र. 1ए)।

मई 2024 के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है केवल उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों, भारत-गांगेय मैदानी इलाकों, मध्य भारत और उत्तर-पूर्व भारत के अधिकांश हिस्सों को छोड़कर, जहां सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे न्यूनतम तापमान होने की संभावना है (चित्र. 1बी)।

3. मई 2024 के लिए उष्ण लहर/हीटवेव आउटलुक

सामान्यतया उत्तरी मैदानों, मध्य भारत और प्रायद्वीप भारत के समीपवर्ती क्षेत्रों में मई माह में लगभग 3 दिनों के लिए उष्णलहर/हीटवेव प्रचलित रहती है। मई 2024 के लिए देश में हीटवेव दिनों की संख्या के लिए विसंगति (सामान्य से विचलन) पूर्वानुमान चित्र. 2 में प्रस्तुत किया गया है। यह दर्शाता है कि उष्णलहर दिनों की संख्या, दक्षिण राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाडा और गुजरात क्षेत्र में लगभग 5-8 दिनों के लिए और राजस्थान के शेष भागों, पूर्व मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ के कुछ भागों, आंतरिक ओडिशा, गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना तथा उत्तर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के इक्का-दुक्का इलाकों में लगभग 2-4 दिनों के लिए सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

हीटवेव के दौरान, उंचा तापमान महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है, विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों जैसी कमजोर आबादी के लिए, जो गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे गर्मी की थकावट और हीटस्ट्रोक के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इसके अतिरिक्त, अत्यधिक गर्मी के लंबे समय तक रहने से निर्जलीकरण हो सकता है, और बिजली ग्रिड और परिवहन प्रणालियों जैसे

बुनियादी ढांचे पर दबाव पड़ सकता है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकारियों के लिए सक्रिय कदम उठाना जरूरी है। इसमें शीतलन केंद्रों तक पहुंच प्रदान करना और गर्मी संबंधी सलाह जारी करना शामिल है। सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और लू/हीटवेव के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए ऐसे प्रयास आवश्यक हैं।

4. मई 2024 के लिए मासिक वर्षा पूर्वानुमान

मई 2024 के दौरान देश भर में औसत वर्षा सामान्य (एलपीए/LPA का 91-109%) होने की संभावना है। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर मई के दौरान देश भर में वर्षा का एलपीए लगभग 61.4 मिमी है।

मई 2024 के लिए भारत में टर्सिल वर्षा श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) का पूर्वानुमान संभाव्यता चित्र 3 में दिखाया गया है। उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों, मध्य भारत के कुछ हिस्सों, प्रायद्वीप भारत और पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। देश के शेष भागों में सामान्य से नीचे वर्षा होने की संभावना है। मानचित्र पर बिंदीदार क्षेत्रों में आमतौर पर मई के दौरान बहुत कम वर्षा होती है, जबकि भूमि क्षेत्रों के भीतर सफेद छाया वाले क्षेत्र मॉडल के कोई कोई पूर्वानुमान संकेत नहीं दर्शाते हैं।

5. प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्र सतह तापमान (एसएसटी/SST) स्थितियां

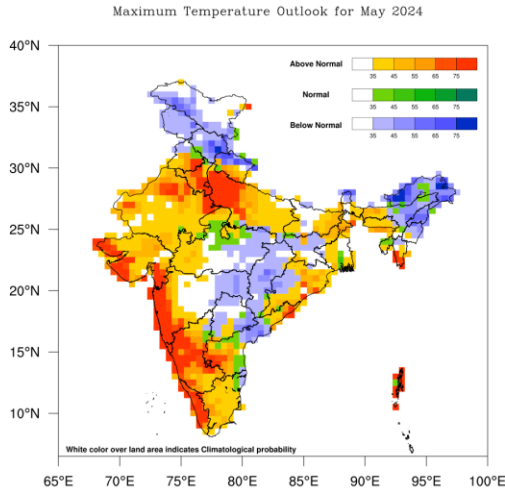
वर्तमान में, अल नीनो की स्थिति भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मौजूद है, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के अधिकांश हिस्सों में समुद्री सतह के तापमान (एसएसटी/SST) की विसंगतियां कमजोर होती जा रही हैं। नवीनतम एमएमसीएफएस/MMCFS (मानसून मिशन युग्मित पूर्वानुमान प्रणाली) पूर्वानुमान से पता चलता है कि ये अल नीनो स्थितियां मानसून सीजन के शुरुआत में तटस्थ स्थितियों में बदलने की संभावना है।

प्रशांत महासागर पर अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ/ENSO) स्थितियों के अलावा, हिंद महासागर एसएसटी/SST जैसे अन्य कारक भी भारत में जलवायु को प्रभावित करते हैं। वर्तमान में, हिंद महासागर के ऊपर तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव/डाइपोल (आईओडी/IOD) स्थितियां मौजूद हैं। नवीनतम जलवायु मॉडल से संकेत मिलता है कि मानसून सीजन के दौरान सकारात्मक आईओडी स्थितियां विकसित होने की संभावना है।

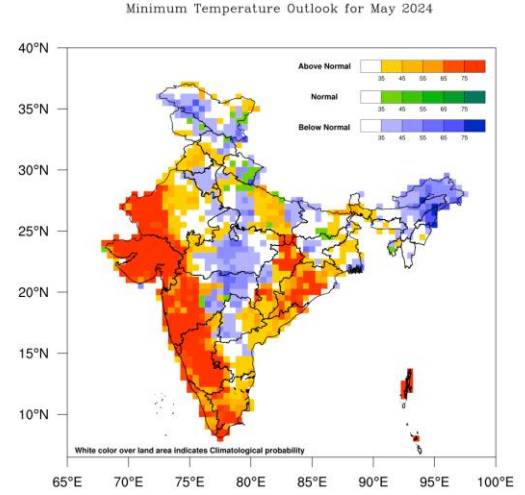
6. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम अवधि पूर्वानुमान सेवाएं

आईएमडी देश भर में बारिश और अधिकतम और न्यूनतम तापमान का विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (अगले चार हफ्तों के लिए 7-दिवसीय औसत पूर्वानुमान) भी प्रदान करता है। ये पूर्वानुमान हर गुरुवार को अपडेट किए जाते हैं और मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल डायनामिकल एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्टिंग सिस्टम पर आधारित होते हैं, जो वर्तमान में आईएमडी में सक्रिय है। पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php पर उपलब्ध हैं।

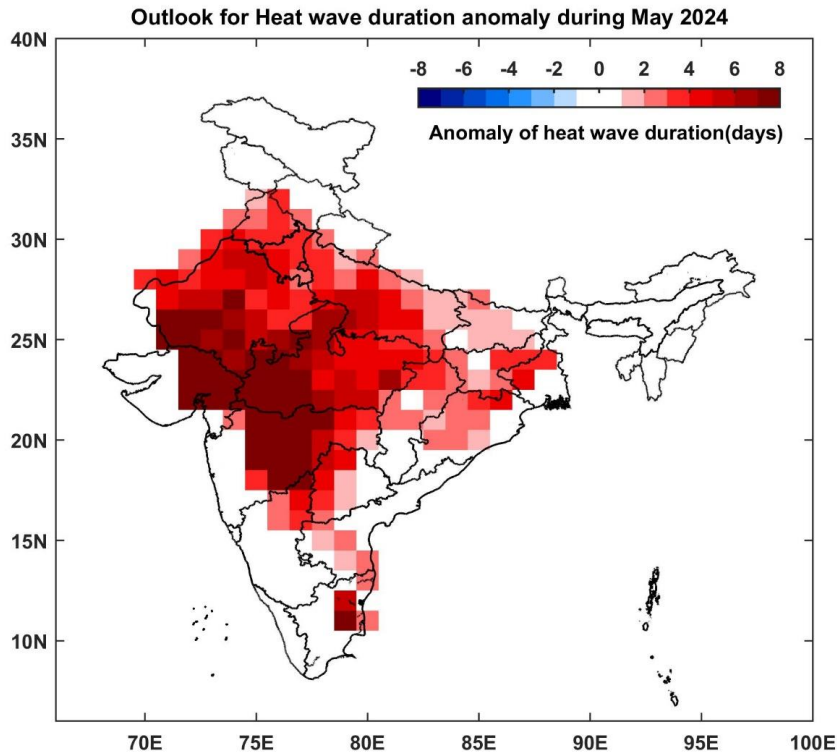
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद आईएमडी द्वारा प्रतिदिन लघु से मध्यम अवधि पूर्वानुमान जारी किया जाता है।



चित्र.1ए. मई 2024 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

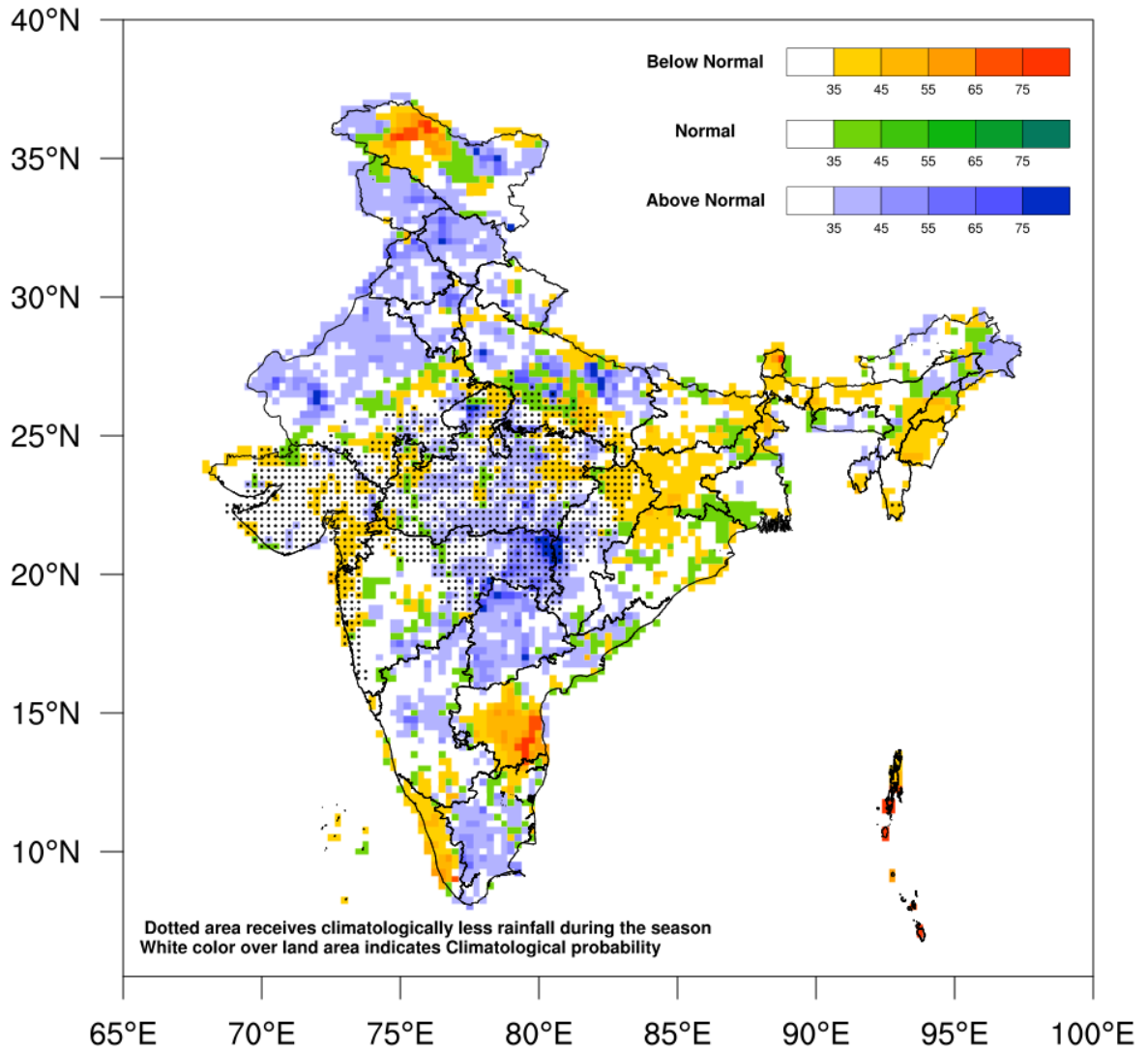


चित्र.1बी. मई 2024 का तापमान के लिए न्यूनतम की संभाव्यता पूर्वानुमान।



चित्र 2. मई 2024 के लिए हीट वेव अवधि (दिनों में) की विसंगति।

probability rainfall forecast for 2024 MAY



चित्र 3. मई 2024 के दौरान भारत में वर्षा के लिए टर्सिल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) की संभावना का पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे अधिक संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है। (*टर्सिल श्रेणियों में समान जलवायु संबंधी संभावनाएँ हैं, प्रत्येक 33.33%)।